अति कभी ना करना प्यारे | By Mukesh Bagda

अति कभी ना करना प्यारे इति तेरी हो जाएगी
बिन पंखो के पंछी जैसी गति तेरी हो जाएगी

अति सुद्नर थी सीता मैया जिसके कारण हरण हुआ
अति घमंडी था वो रावण जिसके कारण मरण हुआ
जिसके कारण मरण हुआ.....
अति सदा वर्जित है बन्दे क्षति तेरी हो जाएगी
बिन पंखो के पंछी जैसी गति तेरी हो जाएगी

अति वचन बोली पांचाली महाभारत का युद्ध हुआ
अति दान देकर के राजा बलि भी बंधन युक हुआ
बलि भी बंधन युक हुआ .....
अति विश्वास कभी ना करना मति तेरी फिर जायेगी
बिन पंखो के पंछी जैसी गति तेरी हो जाएगी

अति बलशाली सेना लेकर कौरव चकनाचूर हुए
अति लालच वश जाने कितने सत्कर्मो से दूर हुए
सत्कर्मो से दूर हुए.....
अति के पीछे हर्ष ना भागो अति अंत करवाएगी
बिन पंखो के पंछी जैसी गति तेरी हो जाएगी
अति कभी ना करना प्यारे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%a4%e0%a4%bf-%e0%a4%95%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-mukesh-bagda/